Original Article
ISSN (Online): 2582-7472

ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts
March 2024 5(3), 2024–2027

# INNOVATIONS BEING DONE IN TEACHING LEARNING AT PRIMARY EDUCATION LEVEL IN RAJASTHAN

# राजस्थान में प्राथमिक शिक्षा स्तर पर शिक्षण अधिगम में किये जा रहे नवाचार

Dr. Ashok Sidana [1], Sangeeta Kanwar [2]

[1] Professor & Dean, Department of Education, Apex University, Jaipur, Rajasthan, India
[2] Research Scholar, Department of Education, Apex University, Jaipur, Rajasthan, India

**DOI**
10.29121/shodhkosh.v5.i3.2024.6148

**Funding:** This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

**Copyright:** © 2024 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

OPEN ACCESS

## ABSTRACT

**English:** Innovations being done in the field of primary education in Rajasthan have been discussed in this research paper. Educational innovation is a new concept that shows the developmental process of education. The use of the word innovation has increased the importance of educational innovation due to new provisions of educational technology in the era of scientific development. The problems of teaching learning in primary education have been described in this research paper. To solve these problems and to make teaching-learning qualitative, the innovations which are being used in the current primary education have been described in the present research paper. At present, due to the global pandemic Covid-19 infection, the educational work and teaching-learning process has been disrupted, for this, the Rajasthan government has used educational innovations by using various resources through the Education Department for the educational development of the students.

**Hindi:** प्रस्तुत शोध पत्र में राजस्थान में प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे नवाचारों का विवेचन किया गया है। शैक्षिक नवाचार शिक्षा की विकासोन्मुख रहने वाली प्रक्रिया को प्रदर्शित करने वाली एक नवीन अवधारणा है। नवाचार शब्द का प्रयोग वैज्ञानिक विकास के युग में शैक्षिक तकनीकी के नवीन प्रावधानों के कारण शैक्षिक नवाचार का महत्व बढ़ गया है। प्रस्तुत शोध पत्र में प्राथमिक शिक्षा में शिक्षण अधिगम की समस्याओं का वर्णन किया गया है। इन समस्याओं का समाधान करने एवं शिक्षण अधिगम को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिये जिन नवाचारों का प्रयोग वर्तमान प्राथमिक शिक्षा में किया जा रहा है उनका वर्णन प्रस्तुत शोध पत्र मे किया गया है। वर्तमान में वैश्विक महामारी कोविड-19 के संक्रमण के कारण से शैक्षणिक कार्य एवं अध्ययन अध्यापन प्रक्रिया बाधित हुई है इसके लिये राजस्थान सरकार ने विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास हेतु शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न संसाधनों का उपयोग करके शैक्षणिक नवाचारों का उपयोग किया है।

**Keywords:** Primary Education, Innovation, Teaching-Learning, प्राथमिक शिक्षा, नवाचार, शिक्षण अधिगम

## 1. प्रस्तावना

आधुनिक युग में लोकतान्त्रिक शासन प्रणाली में सामाजिक विकास में शिक्षा सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज प्रत्येक व्यक्ति के लिए शिक्षा उसके जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग बन गई है। शिक्षा ही व्यक्ति का विकास करती है एवं शिक्षित व्यक्ति ही राष्ट्र की आर्थिक व सामाजिक प्रगति को वास्तविक गति प्रदान कर सकता है। राज्य के लोकहितकारी कार्यों के अन्दर शिक्षा का कार्यक्षेत्र समाविष्ट किया गया है। वर्तमान में शिक्षा के क्षेत्र में निरन्तर नवाचार हो रहे है। शिक्षा स्तर को सामान्यतः उच्च शिक्षा के रूप में ही समझा जाता है परन्तु यह प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के उपरान्त आने वाली कड़ी है। इसलिए प्राथमिक स्तर की शिक्षा पर विशेष ध्यान केन्द्रित करना अत्यन्त आवश्यक है। प्राथमिक स्तर की शिक्षा ही अन्य सभी अग्रगामी चरणों की शैक्षिक गुणवत्ता को प्रभावित करती है। इसी हेतु प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण के लिए भारत एवं राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर विभिन्न नवाचार किये जा रहे है ताकि इन नवाचारों का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन करके प्राथमिक शिक्षा की उपलब्धता को हर सर्वसाधारण तक सुलभता से पहुँचाया जा सके।

# 2. शैक्षणिक नवाचारों का विवरण

1) स्माइल कार्यक्रम

राजस्थान सरकार ने स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से 13 अप्रैल 2020 को SMILE (Social Media Interface for Learning Engagement) कार्यक्रम शुरू किया गया। राज्य भर में COVID -19 लॉकडाउन अवधि के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए सीखने-सिखाने की निरंतरता सुनिश्चित करने का यह एक सोशल मीडिया आधारित ऑनलाइन कार्यक्रम है। इसमें बच्चों के अभिभावकों एवं अध्यापकों के व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे ई-कांटेक्ट शैक्षणिक सामग्री प्रेषित की जाती है। इसमें बच्चों को घर बैठे ऑनलाइन शिक्षण सामग्री प्राप्त हो जाती है, जिससे वह पढ़ाई कर पाते हैं। बच्चे पढ़ रहे हैं या नहीं इस हेतु प्रत्येक शिक्षक को प्रतिदिन 3 विद्यार्थियों से फीडबैक लेना जरूरी होता है।

2) स्माइल कार्यक्रम 2.0

राजस्थान की शिक्षा विभाग द्वारा स्माइल कार्यक्रम के अगले कदम के रूप में स्माइल 2.0 कार्यक्रम नवंबर 2020 को प्रारंभ किया गया। इस कार्यक्रम को आओ घर में सीखे नाम दिया गया इस हेतु विद्यालय द्वारा निम्नलिखित क्रियाएं की जा रही हैं-

- शिक्षक द्वारा प्रतिदिन 5 विद्यार्थियों को कॉल करना
- कक्षा एक से पांच तक (प्रत्येक सोमवार को) एवं कक्षा 6 से 8 तक प्रत्येक सोमवार और बुधवार को गृह कार्य देना।
- क्विज से विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करनाः- इस कार्यक्रम के तहत शिक्षकों को घर जाकर विद्यार्थियों को गृह कार्य देना होता है जो ऑनलाइन है उन्हें ऑनलाइन गृह कार्य भेजना। जो ऑनलाइन नहीं है उन्हें घर जाकर गृह कार्य देना तथा गृह कार्य की प्रति को फाइल में सुरक्षित कर प्रत्येक विद्यार्थी का पोर्टफोलियो निर्मित करना है। बच्चों के अध्ययन को निरंतरता हेतु यह कदम प्रशंसनीय है।

3) स्माइल कार्यक्रम 3.0

ऑनलाइन नवाचारी शैक्षणिक कार्यक्रम स्माइल 3.0 का प्रारंभ शिक्षा विभाग द्वारा 21 जून 2021 को किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया के माध्यम से विद्यार्थियों में अधिगम सक्रियता बनाए रखना है। शिक्षा विभाग के इस नवाचारी कार्यक्रम में आओ घर से सीखिए, स्माइल 3.0, शिक्षा वाणी, शिक्षा दर्शन, व्हाट्सएप क्विज, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समर्थ अभियान शामिल है। इस कार्यक्रम के तहत् विद्यालयों द्वारा दैनिक रूप से होने वाली शैक्षणिक सामग्री के लिंक को विद्यार्थियों के व्हाट्सएप ग्रुप में भेजा जाता है। इसके अलावा कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए दक्षता आधारित कंटेंट एवं गृह कार्य के लिए वर्कशीट को प्रतिदिन व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से प्रातः 8:00 बजे सांझा किया जाता है।

4) हवामहल कार्यक्रम

हवामहल कार्यक्रम का प्रारंभ 2 मई 2020 से व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से हुआ। स्माइल समूह के माध्यम से प्रत्येक शनिवार को परिषद् द्वारा विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से हवामहल कार्यक्रम की योजना तैयार कर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों तक पहुंच सुनिश्चित की जाती जा रही है। यह प्रयास विद्यार्थियों- शिक्षकों को सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को रोचक एवं रचनात्मक बनाने का माध्यम बन रहा है। यह कार्यक्रम वैश्विक कोविड-19 महामारी की तत्कालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार द्वारा विभिन्न विषयों को सिखाने एवं सीखने के लिए कई कार्यक्रमों का संचालन आरंभ किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करने और पठन-पाठन में रुचि जागृत करने के उद्देश्य की पूर्ति के लिए पूर्व प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों से लेकर उनके शिक्षकों तक पढ़ने के लिए रोचक जानकारी व उसका डेटा प्रस्तुत किया जाता है। इस कार्यक्रम में सूचना एवं संचार माध्यमों के उपयोग से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पुस्तकालय एवं बाल साहित्य, कला, जीवन कौशल शिक्षा जैसे विषयों के साथ-साथ शिक्षकों के क्षमतावर्धन में उपयोगी टेंपलेट को ऑनलाइन स्माइल प्लेटफार्म के माध्यम से प्रत्येक शनिवार को साप्ताहिक रूप में साझा किया जाता है। हवामहल की यात्रा में पूर्व प्राथमिक से कक्षा 8 तक के स्तर के बच्चों, अभिभावकों तथा समस्त शिक्षकगण के लिए पठन सामग्री ऑडियो, वीडियो, एनिमेशन बुक, ई-बुक के माध्यम से साझा की जा रही है।

5) शिक्षा दर्शन कार्यक्रम

कोरोना महामारी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित ना हो इसके लिए राजस्थान सरकार व शिक्षा विभाग समय-समय पर नवीन नवाचार कर रही है, ताकि बच्चों को पढ़ाई बाधित नहीं हो सके इसी के चलते सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से राजस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 1 से बारहवीं तक के छात्रों के लिए शिक्षा दर्शन कार्यक्रम आरंभ किया गया। इस कार्यक्रम का प्रसारण 1 जून 2020 से सोमवार से शनिवार को प्रतिदिन सवा तीन घंटे के समयबद्ध कार्यक्रम का प्रसारण दूरदर्शन पर किया जाता है, जिसमे कक्षावार विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री उपलब्ध कारवाई जाती है तथा शनिवार को नो बैग डे पर कैरियर, कला, क्राफ्ट, समाज उपयोगी उत्पादक कार्य, जीवन उपयोगी एपिसोड को प्रसारित किया जाता है। दृश्य-श्रव्य यंत्रों के माध्यम से पठन-पाठन को अधिक रुचिकर व प्रभावी बनाने की कड़ी में शिक्षा दर्शन कार्यक्रम विभाग की एक अनूठी पहल है। इस कार्यक्रम का ध्येय वाक्य -

बच्चों देखो ज्ञान बढ़ाओ
पढ़ते जाओ बढ़ते जाओ।

6) शिक्षा वाणी कार्यक्रम

विद्यार्थियों को घर बैठे शिक्षा प्रदान करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार ने आकाशवाणी के माध्यम से 11 मई 2020 को शिक्षावाणी योजना की शुरुआत की है। राजस्थान के पूर्व शिक्षामंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा के पुरजोर प्रयास से केंद्र सरकार द्वारा शिक्षावाणी योजना हेतु आकाशवाणी पर निःशुल्क स्लॉट उपलब्ध कराया गया। "शिक्षावाणी कार्यक्रम" के द्वारा आकाशवाणी के माध्यम से विद्यार्थियों के लिये उच्च श्रेणी के अध्यापन का निर्णय लिया है। इस शिक्षण कार्यक्रम में प्रसारित किये जाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सामग्री का निर्माण SCERT के नेतृत्व में डाइट तथा एमओयू के तहत विभिन्न संस्थाओं व उच्च प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का ध्येय वाक्य -

प्यारे बच्चे कान लगाओ

पढ़ते जाओ बढ़ते जाओ।

इस शैक्षणिक कार्यक्रम का प्रसारण रेडियो के माध्यम से प्रतिदिन 55 मिनट किया जाता है। इसमें कक्षा 1 से 2 के लिए मीना की कहानियां व कक्षा तीन से 12 के लिए पाठ्यक्रम आधारित सामग्री का प्रसारण किया जाता है। आकाशवाणी के 25 केंद्रों और न्यूज़ ऑन एयर ऐप के माध्यम से भी सुना जा सकता है। दूरदराज के क्षेत्रों में इंटरनेट की सीमित उपलब्धता के कारण शिक्षा विभाग रेडियो के माध्यम से 55 मिनट एक शैक्षणिक कार्य प्रसारण प्रतिदिन प्रातः 11:00 से 11:55 तक कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम आधारित श्रव्य पाठों का प्रसारण शिक्षा वाणी के माध्यम से किया जाता है। इनका सप्ताहिक प्रसारण कार्यक्रम विभिन्न विभागीय व्हाट्सएप ग्रुप व अन्य माध्यमों से सभी को उपलब्ध कराएं जाता है।

शिक्षा दर्शन व शिक्षा वाणी के द्वितीय चरण की शुरुआत 21 जून 2021 को हुई जिसके तहत शिक्षा दर्शन का प्रसारण 60 दिन तक 3 सितंबर 2021 तक किया गया तथा शिक्षा वाणी का प्रसारण 90 एपिसोड के रूप में 11 अक्टूबर 2021 तक किया गया। इनके उद्देश्य इस प्रकार है-

- कोरोनावायरस शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित करना।
- रेडियो व टीवी के माध्यम से शिक्षण सामग्री का प्रसारण करना।
- दृश्य श्रव्य संसाधनों के माध्यम से शैक्षणिक सामग्री को रोचक तरीके से विद्यार्थियों तक प्रसारित करना।

7) नो बैग डे

राज्य सरकार द्वारा बच्चों के स्कूल की तीव्रता को कम करने तथा बच्चों के ठहराव को सुनिश्चित करने के लिए विद्यालय में शनिवार के दिन नो बैग डे कार्यक्रम की शुरुआत की गई। यह कार्यक्रम सत्र 2021-22 से प्रत्येक सप्ताह के शनिवार को बस्ता मुक्त दिवस के रूप में मनाया जाता है। नो बैग डे का उद्देश्य विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं अंतर्निहित क्षमताओं को पहचान, अध्ययन एवं अध्यापन के पारस्परिक तरीकों से इतर सहगामी क्रियाओं के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को आनंददायी बनाना है।

1) प्रथम शनिवार - राजस्थान को पहचानो
2) द्वितीय शनिवार - भाषा कौशल का विकास
3) तृतीय शनिवार - खेलेगा राजस्थान बैढ़ेगा राजस्थान
4) चतुर्थ शनिवार - मैं वैज्ञानिक बनूंगा
5) पंचम शनिवार - बालसभा मेरे अपनों के साथ

नो बैग डे आनंदमयी तरीके से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया कक्षावार न होकर कक्षा समूह वार होती है।

8) 'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम' कार्यक्रम **(RKSMBK)**

इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के स्कूली छात्रों का कोरोना काल में हुई पढ़ाई के नुकसान की भरपाई करने के लिये लागू किया गया है। कोरोना काल में ना केवल लोगों के तन-मन का नुकसान हुआ बल्कि इसने बच्चों की पढ़ाई पर भी बुरा असर डाला है। करीब दो साल तक स्कूल बंद होने की वजह से बच्चों की शिक्षा पर बुरा प्रभाव पड़ा है। हालांकि ऑन लाइन पढ़ाई से इस कमी को पूरा करने की कोशिश की गई थी, लेकिन जो बात ऑफ लाइन पढ़ाई में होती है वो ऑनलाइन नहीं होती। इसी बात के मद्देनजर 11 जुलाई, 2022 को राज्य के स्कूली छात्रों को कोरोना काल में हुए पढ़ाई के नुकसान की भरपाई करने के लिये रेमेडिएशन कार्यक्रम 'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम' का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत बच्चों के अधिगम प्रक्रिया व गैप को दूर करने के लिए रेमेडिसिन कार्यक्रम को वर्क बुक्स के तहत 6 भागों में विभक्त किया गया है। जिनमें कक्षा वार विभाजन है। इन सब में हिंदी, गणित और अंग्रेजी विषय का दक्षता पूर्ण अध्ययन वर्क बुक के माध्यम से करवाया जा रहा है। छः चरणों में इस अभियान की योजना तैयार की गई है जो इस प्रकार हैः-

- कक्षा 1 के वर्क बुक को प्रथम नाम दिया गया है और इसमें ग्रेड लेवल वन के तहत कार्य करवाया जाएगा।
- कक्षा दो के वर्क बुक को पल्लव नाम देते हुए लेवल टू के तहत कार्य करवाया जाएगा।
- कक्षा तीन को पहल के तहत बिहाइंड ग्रेड लेवल वन और टू के तहत कार्य करवाया जाएगा।
- कक्षा 4 और 5 को प्रयास वर्क बुक के तहत बिहाइंड ग्रेड लेवल 2, 3, 4 तय किया गया है।

- कक्षा 6, 7 के लिए प्रवाह में बिहाइंड ग्रेड लेवल 3, 4, 5 तय किया गया है।
- कक्षा 8 के लिए छठा चरण प्रखर जिसमें बिहाइंड ग्रेड लेवल 5, 6, 7 तय किया गया है।

9) मिशन स्टार्ट

राजस्थान के सरकारी स्कूलों में डिजिटल एजुकेशन नवाचारों से छात्रों के लिए शिक्षण गतिविधियों को सुगम बनाने की कवायद की जा रही है। राजस्थान में e-Education से छात्रों का भविष्य संवारने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग ने सितम्बर 2023 में 'मिशन स्टार्ट' शुरू किया है। इस मिशन के तहत् तकनीक की मदद से स्कूलों के शैक्षिक परिदृश्य को बेहतर बनाया जाएगा। साथ ही ई-लेक्चर के जरिए क्लासेस के संचालन की तैयारी की है। इसकी मदद से स्कूलों में शैक्षणिक परिदृश्य को बेहतर बनाने की कवायद की जाएगी। सरकारी स्कूलों में विषय अध्यापकों की संख्या और ई-कंटेंट का बैलेंस करते हुए मिशन स्टार्ट में ई-लेक्चर के जरिए 700 से 800 घंटे की क्लासेस का संचालन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मिशन स्टार्ट और शाला संबलन एप 2.0 जैसे ई-एजुकेशन इनिशिएटिव पर सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के संस्था प्रधानों, शिक्षकों और फील्ड अधिकारियों से सीधा संवाद किया सकता है।

## 3. निष्कर्ष

बालक अपने नवीन ज्ञान के आधार पर नवीन ज्ञान का सृजन करता है इसका निहितार्थ है कि पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तके शिक्षक को इस बात के लिए सक्षम बनाये कि बच्चों की प्रकृति और वातावरण के अनुरूप विद्यालय में गतिविधि एवं अनुभव आधारित कार्यक्रम आयोजित करें ताकि बच्चों के अधिगम शैली का विकास हो सकें। इसके लिये राजस्थान सरकार ने शिक्षा विभाग की मदद से कोरोना काल में प्राथमिक स्तर के छात्रों की शिक्षा का ध्यान रखते हुये अनेक प्रकार के नवचार किये है। प्रस्तुत शोध पत्र में शिक्षा विभाग के अनेक नवाचारों में स्माइल कार्यक्रम, स्माइल कार्यक्रम 2.0 व 3.0, 4. हवामहल कार्यक्रम, शिक्षा दर्शन कार्यक्रम, शिक्षा वाणी कार्यक्रम, नो बैग डे, 'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम' कार्यक्रमह एवं मिशन स्टार्ट जैसे नवाचारों का वर्णन किया गया है। आशा है इन नवाचारी शिक्षण पद्धतियों के प्रयोग से बच्चों को चहुमुखी विकास के अवसर प्राप्त हो सकेंगे ।

## संदर्भ सूची

आर्येन्दु - प्राथमिक षिक्षा और सरकारी कार्य योजना, कुरूक्षेत्र, वर्ष 30 अंक 11, 2007, पृ. 10 -12ण्
प्राथमिक शिक्षा विभाग एवं पंचायती पंचायती राज (प्राथमिक शिक्षा) विभाग. बीकानेर:राजस्थान।
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद.समग्र शिक्षा. स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार।
शिक्षा विभाग, राजस्थान, https://education.rajasthan.gov.in
https://rajshaladarpan.nic.in/ShalaSamvad.
https://rajshaladarpan.nic.in/ShalaSamvad/Home/ShikshaDarshan.aspx.
https://rajsevak.com/shiksha-vani.
https://www.rpschome.com/2023/02/2.html.
https://www.etvbharat.com/hindi/rajasthan/state/jaipur/mission-start-in-school-education-in-rajasthan-preparation-to-conduct-classes-through-e-lecture/rj20230922182956622622044